

डॉ. गोविन्द गन्धे डी.लिट. (संस्कृत)

प्राचार्य, लोकमान्य टिळक विज्ञान एवं वाणिज्य महाविद्यालय, उज्जैन (म.प्र.)

094253-35568, e-mail. tapodhanam@gmail.com



जन्मतथि 25.04.1965 धार (म.प्र.)

एम.फिल्.संस्कृत देवी अहिल्या वि.वि. की प्रावीण्य सूची में प्रथम स्थान
एम.ए.संस्कृत देवी अहिल्या वि.वि. की प्रावीण्य सूची में द्वितीय स्थान

- ◆ सदस्य, विद्यापरिषद, राजा मानसिंह तोमर, संगीत एवं कला विश्वविद्यालय, ग्वालियर 2009-14
- ◆ सदस्य, विद्यापरिषद, विक्रम विश्वविद्यालय, उज्जैन 2018-19
- ◆ सदस्य, मध्यभारत शिक्षा समिति, ग्वालियर
- ◆ सदस्य, अ.भा. प्राच्य विद्या सम्मेलन पुणे
- ◆ संस्थापक सदस्य अनंत आस्था कला एवं शिक्षण समिति ग्वालियर
- ◆ मार्गदर्शक, मासिक पत्रिका "जय जय रघुवीर समर्थ" 2010 से 2018
- ◆ मार्गदर्शक, श्री माहेश्वरी अध्यात्मिक एवं योग साधना केन्द्र, ग्वालियर 2002 से 2012

► **सम्मान** : मध्यभारत शिक्षा समिति द्वारा 'संस्कृत भूषण सम्मान' से सम्मानित
अ.भा. भवभूति समारोह, ग्वालियर में प्रस्तुत शोधपत्र 'भवभूति के रूपको में नेत्राभिनय' सर्वश्रेष्ठ शोधपत्र के रूप में पुरस्कृत

► **अध्यापन, शोध एवं प्रशासकीय अनुभव** : 20 वर्ष

► **दायित्व**

- ◆ समन्वयक (संस्कृत), भाषा अध्ययन केन्द्र, जीवाजी वि.वि. ग्वालियर 2002-2012
- ◆ निदेशक - उज्जैन स्टडी सेंटर, आई.सी.एस.आई 2012 से निरन्तर
- ◆ निदेशक - ए.एस.आई. MCRPV भोपाल 2012 से निरन्तर
- ◆ वरिष्ठ केन्द्राध्यक्ष एमसीआरपीवी परीक्षाएँ 2012 से निरन्तर
- ◆ वरिष्ठ केन्द्राध्यक्ष व्यवसायिक परीक्षा मण्डल मध्यप्रदेश भोपाल 2012 से निरन्तर
- ◆ वरिष्ठ केन्द्राध्यक्ष विक्रम विश्वविद्यालय, उज्जैन 2012 से निरन्तर
- ◆ संयोजक, अ.भा. भवभूति समारोह एवं शोध संगोष्ठी 2002-2012
- ◆ संयोजक, राज्य स्तरीय चित्रकला प्रदर्शनी, उज्जैन 2012-2013, 16-17
- ◆ राष्ट्रीय एवं प्रादेशिक युवा महोत्सव की विविध समितियों में संयोजक एवं सदस्य 2002-2012
- ◆ भाषा अध्ययन केन्द्र जीवाजी वि.वि. की समस्त विभागीय समितियों में संयोजक एवं सदस्य। 2002-2012

► **शोध प्रबन्ध**

- ◆ डी.लिट. श्रीमद् वाल्मीकि रामायण का रामपरक मराठी महाकाव्यों पर प्रभाव (2018)
- ◆ पीएच.डी. संस्कृत वाङ्मय में स्वप्न विषयक अवधारणाओं का समीक्षात्मक अध्ययन -(1993)
- ◆ एम.फिल्. संस्कृत ग्रन्थेषु स्वप्नावधारणानामनुशीलनम् -(1991)
- ◆ एम. ए. सन्देश काव्यों में भृङ्ग सन्देश परम्परा -(1990)

► **पुस्तक प्रकाशन**

- ◆ एम.ए. तथा एम.फिल् कक्षाओं की पाठ्यपुस्तकें एवं अन्य पुस्तकें प्रकाशित। (10)
- ◆ वैदिकी ◆ शोधालोक ◆ समर्पण ◆ वदत संस्कृतम् ◆ नवनवोन्मेष ◆ अनुसन्धान : सिद्धान्त एवं प्रविधि
- ◆ पयस्विनी ◆ सांस्कृतिक प्रबोधन ◆ मन्थन ◆ घटः कलि

► लघु शोध प्रबन्ध निर्देशन

- ◆ जीवाजी विश्वविद्यालय, ग्वालियर एम.फिल् (40 छात्र)

► शोधपत्र प्रकाशन

- ◆ 50 अन्तर्राष्ट्रीय, राष्ट्रीय एवं क्षेत्रीय शोध संगोष्ठीयों में शोध पत्र वाचन एवं प्रकाशन।

► स्मारिका एवं पत्रिका सम्पादन

- ◆ 15 स्मारिकाओं तथा पत्रिकाओं का सम्पादन

► शिक्षणोत्तर गतिविधियाँ

- ◆ अखिल भारतीय कालिदास समारोह में संस्कृत भाषण प्रतियोगिता में प्रोत्साहन पुरस्कार।
- ◆ अन्तर्महाविद्यालयीन संस्कृत काव्य पाठ स्पर्धा में द्वितीय स्थान।
- ◆ संभाग स्तरीय रामचरितमानस चतुरशताब्दी समारोह में भाषण प्रतियोगिता में प्रथम पुरस्कार

► परीक्षक (संस्कृत)

- ◆ पीएच.डी. बुन्देलखण्ड वि.वि. झांसी
राष्ट्रसंत तुकडोजी महाराज वि.वि. नागपूर
सावित्री बाई फुले पुणे विश्वविद्यालय, पुणे
मुम्बई विश्वविद्यालय, मुम्बई
- ◆ एम.फिल्. जीवाजी वि.वि. ग्वालियर
- ◆ एम.ए. जीवाजी वि.वि. ग्वालियर, बुन्देलखण्ड वि.वि. झांसी, रानी दुर्गावती वि.वि. जबलपुर,
देवी अहिल्या वि.वि. इन्दौर, डॉ. हरिसिंह गौर वि.वि. सागर गुरु घांसीदास वि.वि. बिलासपुर
- ◆ बी.ए. जीवाजी वि.वि. ग्वालियर,
- ◆ बी.ए.एम.एस. शा. अष्टांग आयुर्वेद महाविद्यालय, ग्वालियर

► कार्यशाला में सहभागिता

- ◆ संस्कृत सम्भाषण पाठ्यक्रम School of Advansed Libral Studies 15.06.1990से30.06.1990 (15 दिवस)
D.A.V.V. Indore
- ◆ संस्कृत सम्भाषण पाठ्यक्रम राज्य भाषा शिक्षा संस्थान, भोपाल 11.11.1991से10.02.1992 (90 दिवस)
एवं देवी अहिल्या वि.वि. इन्दौर
- ◆ राज्य स्तरीय संस्कृत शिक्षक उन्मुखीकरण कार्यक्रम लोकशिक्षण संचालनालय 27.01.2003 से 10.02.2003 (15 दिवस)
एवं म.प्र.संस्कृत बोर्ड भोपाल
- ◆ संस्कृत भाषा व्यवहार भाषा समस्या एवं निदान अध्ययन केन्द्र जीवाजी वि.वि. ग्वालियर 25.02.2009 (01 दिवस)
- ◆ अनुसन्धान प्रविधि के विविध आयाम लोकमान्य टिळक विज्ञान एवं वाणिज्य 28.01.2013 से 29.01.2013 (02 दिवस)
महाविद्यालय उज्जैन

► वि.वि. के पाठ्यक्रमों की संरचना एवं स्वीकृति

- ◆ एम.फिल्. संस्कृत एक वर्षीय पाठ्यक्रम (दो सेमेस्टर)
- ◆ एम.ए. संस्कृत, दो वर्षीय पाठ्यक्रम (चार सेमेस्टर)
- ◆ संस्कृत, संभाषण में पत्रोपाधि पाठ्यक्रम एक वर्ष
- ◆ संस्कृत, संभाषण में प्रमाण पत्र पाठ्यक्रम छः माह
- ◆ पौरोहित्य कर्म (कर्मकाण्ड पाठ्यक्रम) पत्रोपाधि पाठ्यक्रम एक वर्ष
- ◆ ज्योतिष पत्रोपाधि पाठ्यक्रम एक वर्ष

(उपर्युक्त समस्त पाठ्यक्रमों की संरचना की गयी एवं जीवाजी वि.वि. ग्वालियर के संस्कृत अध्ययन मंडल द्वारा स्वीकृत)

► साक्षात्कार एवं आलेख प्रकाशन

- ◆ दैनिक नवभारत में "सपने कब हुये अपने इसी शोध में लगे है इन्दौर के गोविन्द गन्धे" विषय से पूर्ण-पृष्ठ का साक्षात्कार प्रकाशित।
- ◆ दैनिक, साप्ताहिक, मासिक समाचार पत्र पत्रिकाओं में लगभग 100 आलेख प्रकाशित।

दिनांक :

डॉ. गोविन्द गन्धे

स्थान :